(b) 103, out of which 97 officers were appointed against the War reserved vacancies in virtue of their approved 'War service' and 6 officers were appointed under the Emergency Recruitment Scheme, which was necessitated due to the shortage of officers in the State I.A.S. Cadres.

SHRIMATI VIOLET ALVA: How was the selection made? How were the officers taken over from the Armed I Forces to the civil side?

SHRI B. N. DATAR: The selection was made by the then Federal Public Service Commission, now the Union Public Service Commission.

SHRI JASWANT SINGH: Is it because these officers were considered unfit for military service that they were provided on the civil side?

SHRI B. N. DATAR: I have said in my reply, Sir, that approved "War service" was taken into account. After the cessation of War there was retrenchment and naturally these persons were provided on the civil side because their services were approved.

**नालन्दा में पढ़न वाले विदेशी शिक्षार्थी**

***४५. श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि नालन्दा की शिक्षा संस्था में विदेशों के कितने शिक्षार्थी शिक्षा पा रहे हैं और सरकार उनको क्या सहायता दे रही है ?

**t [FOREIGN STUDENTS STUDYING AT NALANDA**

*45. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for EDUCATION be pleased to state the number of foreign students studying at present in the educational institution at Nalanda and the amount of aid given to them by Government?]

**शिक्षा उपमंत्री (डा० के० एल० श्रीमाली)** : नालन्दा की शिक्षा संस्था में इस समय शिक्षा पाने वाले विदेशी शिक्षार्थियों (व्यक्तिगत दाखला पाने वाले शिक्षार्थियों सहित) की कुल संख्या के विषय में पूर्ण जानकारी इकट्ठी की जा रही है। संस्था में शिक्षा पाने वाले एक ही शिक्षार्थी (लाओस के पादरी) के पढ़ने का प्रबन्ध सरकार ने किया है। उसको १९५५–५६ में दी गयी आर्थिक सहायता केवल ४५० रुपये थी।

t[THE DEPUTY MINISTER. FOR EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): The full information about total number of foreign students (including private students) studying at present at Nalanda Institute, Nalanda, is being obtained. The Government have sponsored only one monk student from Laos for studies at the Institute. The amount of aid given to him in 1955-56 was Rs. 450 only.]

**श्री नवाब सिंह चौहान** : लाओस के पादरी ! ये कौन हैं, मैं समझ नहीं सका ?

**डा० के० एल० श्रीमाली** : बुद्धिस्ट मौंक ।

**श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या कारण है कि और दूसरे विद्यार्थियों के बारे में आपको सूचना प्राप्त नहीं हो सकी जब कि इस एक विद्यार्थी के बारे में हो गई ?

**डा० के० एल० : श्रीमाली** इसके बारे में कुछ गलतफहमी हो गई। पहले यह खयाल रहा कि शायद जो सरकार के नियुक्त किये हुये स्कालर्स हैं उन्हीं के बारे में इत्तिला मांगी गई है। बाद में यह खयाल हुआ कि सभी विद्यार्थियों के बारे में जानकारी चाहिये। हमने नालंदा इंस्टीट्यूट को इंफार्मेशन भेजने के लिये कहा है और ज्योंही वह इंफार्मेशन आ जायेगी हम उसे सभा पटल पर रख देंगे।

**श्री नवाब सिंह चौहान** : जहां तक सरकार का सम्बन्ध है सहायता देने का

lEnglish translation.

क्या वहां पर विदेशी विद्यार्थियों के शिक्षा पाने के लिये कोई संख्या निश्चित है ? अगर हां, तो एक ही विद्यार्थी क्यों आया और दूसरे देशों से विद्यार्थी क्यों नहीं आ सके ?

**डा० के० एल० श्रीमाली** : कितने देशों से वहां विद्यार्थी आये हुये हैं इसके बारे में जैसा कि मैंने अभी निवेदन किया, हम इत्तिला मंगवा रहे हैं। गवर्नमेंट आफ इंडिया की जो सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रोग्राम की स्कीम है उसके अंतर्गत हमने एक विद्यार्थी को वहां भेजा था और उस स्कीम के अंतर्गत और भी विद्यार्थी, जैसे-जैसे वे आयेंगे, वैसे-वैसे बढ़ाने की योजना है।

SHRI JASWANT SINGH: From what countries have students come to this institution?

DR. K. L. SHRIMALI: One student has come from Laos. With regard to others, I have still to collect the information.

DR. RADHA KUMUD MOOKERJI: May I know the principle governing the Government of India's decision to finance the study of foreign students in view of the fact that we have on record foreign students being supported by their own respective Governments in the past at Nalanda? For example, the King of Java endowed a Javanese college at Nalanda. Why should we not try to recapture that principle?

DR. K. L. SHRIMALI: We have entered into special arrangements with Laos in order to develop cultural links. The Government of India's financial liability in this connection is restricted to bearing the expenditure on boarding and lodging at the Nalanda Pali Institute at Patna. The travel expenses for the journey to India and back will also be borne by i the Government of India. This is a special arrangement that we have with Laos.

**श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या सरकार नालन्दा विश्वविद्यालय को अन्य सहायता भी देती है ?

DR. K. L. SHRIMALI: We have recently given them Rs. 46,000 for the publication of three volumes of the Devnagari version of the Tripatika for the 2,500th Buddha Jayanti Celebrations.

SHRI T. BODRA: HOW many students of this University have taken to the study of Sanskrit and Pali?

DR. K. L. SHRIMALI: I shall need notice for that.

**भारतीय साहित्य-प्रदर्शनी की योजना**

*४६. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) सन् १९५६ में भारतीय साहित्य की प्रदर्शनी करने की जो योजना है उसका ब्योरा क्या है; और

(ख) प्रदर्शनी किस महीने में और किस स्थान पर होगी ?

**t [PROPOSAL TO HOLD AN EXHIBITION OF INDIAN LITERATURE**

*46. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for EDUCATION be pleased to state:

(a) the details of the proposal te hold an Exhibition of Indian Literature in 1956; and

(b) the month in which and the place where it will be held?]

**शिक्षा उपमंत्री (डा० के० एल० श्रीमाली)** : (क) और (ख). एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

†English translation.